No. of Printed Pages : 5

बी.एच.डी.एफ.-101/एफ.एच.डी.-1

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

19842

दिसम्बर, 2012

बी.एच.डी.एफ.-101/एफ.एच.डी.-1 : हिन्दी में आधार पाठ्यक्रम

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *इस प्रश्न पत्र में **तीन खण्ड** हैं। **खण्ड 'क'** सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य है। **खण्ड 'ख'** और **'ग'** में से किसी **एक** खण्ड का उत्तर देना है। **एफ.एच.डी.-1** के विद्यार्थी खण्ड **'ख'** और **बी.एच.डी.एफ-101** के विद्यार्थी खण्ड **'ग'** के प्रश्नों के उत्तर दें।*

खण्ड - क

1. निम्नलिखित शब्दों के **दो-दो** पर्याय लिखिए। 5

   असुर, किरण, नौका, सूर्य

2. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं चार में प्रत्यय बताइए। 5

   अधिकार, उपदेश, चिल्लाहट, झगडालू, राखनहार, स्वागत

3. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ स्पष्ट करते हुए उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए। 5

   (क) ईंट का जवाब पत्थर से देना,

   (ख) ढोल पीटना

4. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए : 5

   तदाकार, अतएव, पीताम्बर, अत्यावश्यक, दीक्षांत

5. निम्नलिखित में से ***किसी एक*** विषय पर लगभग *300* शब्दों में निबंध लिखिए : 10

(क) मेरा मनपसन्द खेल

(ख) साहित्य और समाज

(ग) विज्ञान की उपयोगिता

(घ) नये साल का पहला दिन

6. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और इसके आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5

पर्यावरण की स्मस्या से आज सारा विश्व आक्रांत है, इसे मनुष्य ने ही स्वयं पैदा किया है। विश्व पहली बार चाहे इस समस्या से परिचित हुआ हो, लेकिन भारत के लिए यह नया विषय नहीं हैं। हमारे देश में पेड़-पौधों, नदियों, पर्वतों, जलाशयों को मनुष्य के सहचर, मित्र, प्रिय मानने की निरंतर परंपरा रही हैं। जातक कथाओं में वृक्ष देवताओं के उल्लेख बार-बार आये है। 'रूक्खलत' अर्थात वृक्ष-यात्राओं और वृक्ष-महोत्सवों के मनोहर विवरण जैन तथा बौद्ध साहित्यों में हमें मिलते हैं। निदान कथा जातक के अनुसार गौतम बुद्ध को ज्ञान प्राप्ति पीपल वृक्ष की शीतल छाया में बैठकर हुई थी। जिसे भारत में 'बोधिवृक्ष' के नाम से जाना जाता है। बोधिवृक्ष की पूजा के दृश्य भारतीय कला में बहुतायत से मिलते हैं। बोध गया, सांची, मथुरा, अमरावती आदि स्थानों पर पायी गयी शुंग-कुषाण कला में इनके अंकन दिखाई देते हैं। पर्यावरण की रक्षा के लिए हमें अपनी प्राचीन धरोहर अर्थात प्रकृति के प्रति प्रेमभावना को बढ़ावा देना चाहिए। पर्यावरण प्रदूषण से मानव सभ्यता की सुरक्षा का यही एकमात्र उपाय होगा।

(क) पर्यावरण प्रदूषण की समस्या पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'बोधिवृक्ष' क्यों पूजनीय माना जाता है?

(ग) वृक्ष हमारे सखा - संगी है, ऐसा क्यों माना जाता है?

(घ) उपरोक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

खण्ड - ख

इस खण्ड में शामिल प्रश्नों का उत्तर केवल **एफ.एच.डी. -1** के विद्यार्थी दें।

7. निम्नलिखित में से ***किसी एक*** का आशय लगभग *200* शब्दों में स्पष्ट कीजिए : 5

(क) वह तोड़ती पत्थर।
देखा उसे मैंने इलाहाबाद के पथ पर
वह तोड़ती पत्थर।
कोई न छायादार
पेड़ वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार
श्याम तन, भर बाँधा यौवन,
नत नयन, प्रिय कर्म रत मन।

(ख) और एक-एक भागवान ऐसे पड़े हैं जिनके
पास जाड़ा जाए तो गर्मी से घबड़ा कर भागे।
मोटे-मोटे गद्दे, लिहाफ, कंबल। मजाल है
जाड़े का गुजर हो जाए। तकदीर की खूबी है।
मजूरी हम करें, मजा दूसरे लूटें।

8. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग *200* शब्दों में दीजिए : 2x5=10

(क) 'मानस के हंस' की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ख) चंद्रगुप्त नाटक का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'क्रोध' शीर्षक निबंध के प्रमुख बिंदुओं का उल्लेख कीजिए।

(घ) मैथिलीशरण गुप्त की काव्यगत विशेषताओं का परिचय दीजिए।

खण्ड - ग

इस खण्ड में शामिल प्रश्नों का उत्तर केवल बी.एच.डी.एफ. *101* की विद्यार्थी दें।

9. निम्नलिखित में से ***किसी एक*** का आशय लगभग *200* शब्दों में लिखिए। 5

(क) वैष्णव के पास नम्बर दो का बहुत पैसा हो गया है। कई एजेंसियाँ ले रखी हैं। स्कॉर्किस्ट है। जब चाहे माल दबाकर 'ब्लैक' करने लगते हैं। मगर दो घंटे विष्णु-पूजा में कभी नागा नहीं करते। सब प्रभु की कृपा से हो रहा है। उनके प्रभु भी शायद दो नंबरी हैं। एक नंबरी होते तो ऐसा नहीं करने देते।''

(ख) लंबा चौड़ा मैदान मेरे वजूद से कई गुना बड़ा था, जिसे साफ करने से मेरी कमर दर्द करने लगी थी। धूल से चेहरा, सिर अँट गया था। मुँह के भीतर धूल घुस गई थी। मेरी कक्षा में बाकी बच्चे पढ़ रहे थे और मैं झाड़ू लगा रहा था। हेडमास्टर अपने कमरे में बैठे थे लेकिन निगाह मुझ पर टिकी थी। पानी पीने तक की इजाज़त नहीं थी। पूरा दिन मैं झाड़ू लगाता रहा। तमाम अनुभवों के बीच कभी इतना काम नहीं किया था। वैसे भी घर में भाइयों का मैं लाड़ला था।

10. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग *200* शब्दों में दीजिए। 2x5=10

(क) 'पूस की रात' कहानी के नायक हल्कू का चरित्र - चित्रण कीजिए।

(ख) 'वैष्णव की फिसलन' की व्यंग्यात्मक शैली संबंधी विशेषताएँ बताइए।

(ग) 'जीने की कला' स्त्री जीवन के यथार्थ से परिचय कराती है।

(घ) निराला के काव्य शिल्प की विशेषताएँ बताइए।